

पत्रिका plus

spotlight plus फैकल्टीज के साथ मिलकर किया इनोवेशन

स्टूडेंट्स के प्रोजेक्ट्स और स्टार्टअप्स को ग्लोबल लेवल पर मिल रही पहचान

पत्रिका plus रिपोर्टर

जयपुर. जयपुर शहर के स्टूडेंट्स के प्रोजेक्ट और स्टार्टअप्स की गुंज अब ग्लोबल लेवल पर सुनाई दे रही है। हाल ही में शहर के कई स्टूडेंट्स ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स के जरिए अपने टैलेंट को शोकेस किया है और पहचान बनाई है। कुछ स्टूडेंट्स के प्रोजेक्ट ऐसे बने हैं कि उन्हें कॉलेज के फैकल्टीज ने अन्य बच्चों की पढ़ाई में उपयोग करने का निर्णय लिया है। वहीं, स्टूडेंट्स ने सोशल वेंचर्स पर फंडिंग के ऑफर्स को तुरकारकर अपने क्रिएशन को यूनीक बनाया। ऐसे में इन डिजाइंस की मांग विदेशों तक बढ़ गई है। विभिन्न स्टार्टअप्स में भी बच्चों ने बेहतर परफॉर्म किया है।

एसकेआइटी के सिविल ब्रांच के फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स ने स्मार्ट सिटी का स्मार्ट प्रोजेक्ट बनाया है। इस प्रोजेक्ट के जरिए फैकल्टीज ने फर्स्ट ईयर के सभी ब्रांच के स्टूडेंट्स को फर्स्ट एवं सैकंड सेमेस्टर में इंजीनियरिंग के बेसिक कॉन्सेप्ट सिखाने में उपयोग में लेने का निर्णय लिया है। मॉडल का निर्माण बीटेक सिविल के प्रथम वर्ष के छात्र निखिल गर्ग, पुनीत दाधीच, पूर्वा कुमावत, रेणु कुमारी, रिकू मलिक एवं सिमरन चौधरी के जरिए सिविल विभाग



स्मार्ट स्केल आइडिया भी हो रहे हिट

जेकेएलयू बीबीए फायनल ईयर स्टूडेंट आंचल माथुर और आकांक्षा गोयल ने मॉम्स किचन के नाम से अपना वेंचर बनाया है। इसमें स्टूडेंट्स होम मेड डेकोरेटिव केक का स्पेशल सेगमेंट प्रोवाइड करवा रहे हैं। ये प्रोजेक्ट अनमेरिड एम्पलॉई, होस्टलर्स, स्पेशल पार्टी और

के सहायक आचार्य अजय कुमार के मार्गदर्शन में बनाया गया। इस मॉडल में रिंग रोड प्रोजेक्ट, ट्रांसपोर्ट इंजीनियरिंग, कन्वेंशनल इंजीनियरिंग, हाईराइज बिल्डिंग जैसे विभिन्न कॉन्सेप्ट्स का उपयोग किया है।

बर्थडे पार्टी के लिए क्लाउड पर उपलब्ध है। जेकेएलयू वाइस चांसलर प्रो. धीरज सांघी बताते हैं कि बच्चों को प्रेक्टिकल बेस्ड स्टडी पर फोकस करवाया जाता है, जिसके चलते विभिन्न स्तरों पर विभिन्न स्टार्टअप और बिजनेस मॉडल स्टूडेंट्स तैयार करते हैं।

प्रेक्टिकल बेस्ड स्टडी का समय

एनएवी के डायरेक्टर अनिल अग्रवाल ने बताया कि नए सॉफ्टवेयर एवं स्टार्टअप्स के जरिए जयपुर के बच्चे ग्लोबल लेवल पर छाप छोड़ रहे हैं।

पुरु को मिली 25 लाख की स्टार्टअप फंडिंग

जीसीईसी के स्टूडेंट्स पुरु ठक्कर को उनके स्टार्टअप ऐप टीनएजर्स के लिए मुंबई की कंपनी से 25 लाख की फंडिंग मिली है। बीबीए थर्ड ईयर के स्टूडेंट पुरु ने मीम्स के माध्यम से इसको ऑपरेट करने का कॉन्सेप्ट बनाया। पुरु ने बताया कि यह कॉन्सेप्ट काफी समय से माइंड में था, फिर इस पर काम कर सफलता प्राप्त की। फैकल्टी तुषार सैनी ने अहम भूमिका निभाई। प्रिंसिपल शिवी सक्सेना ने बताया कि स्टूडेंट्स की निरंतर मेहनत के चलते इस तरह के अचीवमेंट प्राप्त हो रहे हैं। बीबीए थर्ड ईयर के अभिनव अग्रवाल और बीकॉम थर्ड ईयर की मेधा जोश ने मिलकर सोशल वेंचर मिट्टी हब बनाया है, जो काफी लोकप्रिय है।

एपेक्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सचिन झंवर ने बताया कि टेक्नोलॉजी पर आधारित कई स्टार्टअप्स पूरी दुनिया में नए युग की शुरुआत कर रहे हैं।